ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

इषं स्तोतृभ्य आ भर। सामवेद 971

हे ऐश्वर्यशाली परमात्मन्! स्तोताओं के लिए अन्न और धन प्रदान कर।

O the Bounteous Lord ! Bestow all kinds of food and wealth for your divotces.

वर्ष 38, अंक 26 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 11 मई, 2015 से रविवार 17 मई, 2015
विक्रमी सम्वत् 2072 सृष्टि सम्वत् 1960853116
दयानन्दाब्दः 192 वार्षिक शुल्कः 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें- www.thearyasamaj.org/aryasandesh

नेपाल के भूकम्प पीड़ित क्षेत्रों में राहत कार्य जारी

आर्य समाज के अधिकारियों ने भारी वर्षा में भी किया खाद्य सामग्री का वितरण

भूकंप के तेज झटकों से नेपाल में फिर हुआ जान-माल का भारी नुक्सान

पिछले 8 दशक से भी अधिक समय में आए सबसे भीषण भूकम्प की त्रासदी का सामना कर रहे नेपाल में भारत सहित दुनिया भर से आए राहत कर्मी पीड़ितों तक पहुंचने और उनको मदद पहुंचाने के लिए जिद्दोजहद कर रहे हैं।

हिमालयी देश में आपदा के दिन से ही दुनिया के सभी हिस्सों से मानवीय सहायता आ रही है। भूकम्प की इस त्रासदी में अभी तक लगभग 10,000 लोगों की मौत होने का अनुमान है जो करीब 14,000 हजार तक पहुंचने की सम्भावना है।

कभी विदेशी पर्यटकों से गुलजार रहने वाली राजधानी काठमांडू में अंतर्राष्ट्रीय बचाव कर्मी पहाड़ जैसी तमाम मुश्किलों के बीच भी बचाव कार्य में जुटे हुए हैं और जर्मीदोज हो चुकी इमारतों, भवनों में फंसे लोगों को निकालने की मशक्कत चल रही है। इस प्रयास में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा तथा आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली के अधिकारियों द्वारा नेपाल में आये विनाशकारी भूकम्प पीड़ितों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री वितरित की गयी।

25 अप्रैल 2015 को आये भीषण दैवीय आपदा भूकम्प ने नेपाल में लाखों लोगों को प्रभावित किया। इस दयनीय स्थिति में पीड़ितों की सेवा हेतु दिल्ली सभा के मंत्री श्री सुखवीर सिंह आर्य, आर्य केन्द्रीय सभा के मंत्री श्री एस.पी.सिंह एवं आर्य समाज सेवा समिति के सदस्य श्री विजेंद्र आर्य तथा श्री रणधीर आर्य जी ने भूकम्प पीड़ित क्षेत्रों का निरीक्षण किया जिसमें काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर, सिन्धु पाल चौक, गोरखा, ढुंगाल व बांगले भटिगांव, दोलखा, कावेदला चौक, धाधिंग, नुआ कोट आदि क्षेत्र जो अधिक प्रभावित हुए उनका निरीक्षण किया। एतिहासिक इमारतें जिनमें नुक्सान हुआ उनमें प्रमुख रूप से मेधरहटा, काठमांड, हनुमान ढ़ोका, गजदरवार, भक्तपुर, राज दरबार, ललितपुर (पाटन) राज दरबार, रालोमच्छेन्द्र नाथ मंदिर, स्वम्भू मंदिर, पशुपति नाथ मंदिर, जयबागेश्वरी मंदिन, नया बांस पार्क, गोनाबू आदि शामिल हैं। सांखू बाजार पूरा ध्वस्त हो गया, टेकू में स्थित शहीद श्री शुक्रराज शास्त्री जो बनारस में जन्में थे उनकी स्मृति में बना अस्पताल तथा जिस वृक्ष पर फांसी दी गयी थी उसे भी जाकर देखा और उसके बाद श्री विजेंद्र आर्य जी ने 2 मई को दिल्ली वापस आकर आर्य समाज जनकपुरी, सी ब्लाक में नेपाल भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ हो रही बैठक में नेपाल भूकम्प त्रासदी में जान-माल की हानि से अवगत कराया। बैठक में नेपाल के हालातों की चर्चा करते हुए भूकम्प पीड़ितों के लिए सर्वसम्मति से एक ट्रक खाद्य सामग्री जिसमें दाल, चावल, चीनी, चाय इत्यादि गोरखपुर से खरीद कर भेजने का निर्णय लिया, क्योंकि गोरखपुर नेपाल के निकट है।

इसी बीच श्री सुख बीर सिंह व एस.पी.सिंह ने वहां पर दूर दराज के गावों में जाकर उन घरों के सदस्यों की सूची तैयार की जिनमें इस सामग्री की सर्वाधिक आवश्यकता थी तथा उनके कहने अनुसार वहां सरकार की ओर से कोई राहत कार्य, सुविधा नहीं पहुंची। सभा के अधिकारियों द्वारा उन सदस्यों व परिवारों की सूची तैयार कर कूपन बांट दिये गये। 10 मई की सुबह जैसे ही खाद्य सामग्री काठमांडू (नेपाल) में पहुंची तो दोनों अधिकारियों ने काठमांडू आर्य समाज के श्री कमला कान्त आत्रेय, डॉ. माधव प्रसाद उपाध्याय, डॉ. तारा नाथ मैनाली, लोक चन्द्र अमात्य, राज कुमार श्रीमती किरण आदि अधिकारियों तथा अन्य सदस्यों के साथ खाद्य सामग्री वितरण करने के लिए उन गावों में पहुंचे, जिन गांवों में गांवों की सूची तैयार की गई थी। वहां जाने पर इन अधिकारियों को भारी वर्षा के कारण आई परेशानियों का सामना करते हुए खाद्य सामग्री वित. रित की और नेपाल के सिंधुपाल चौक के 8 वार्डो में फटक शिला गांव के लगभग 750 परिवारों को खाद्य सामग्री का आवंटन किया गया। गोरखपुर से खाद्य सामग्री खरीदकर व उनके पैकेट तैयार करवाकर (उसे भारत-नेपाल बार्डर सिनौली से काठमांडू वाया भेरवा बॉर्डर) भिजवाने में श्री महावीर जी अग्रवाल, पूर्व प्रधान आर्य समाज मोहिदीपुर, श्री विनय प्राचार्य, प्रधान आर्य समाज बक्सीपुर, डॉ. सुनीता गुप्ता संरक्षक आर्य समाज मोहिदीपुर, श्री कृष्ण कुमार शर्मा, पूर्व मंत्री आर्य समाज, मो. हिदीपुर, श्री कृष्ण कुमार पाठक, सदस्य आर्य समाज मोहिदीपुर, गोरखपुर आदि महनुभावों का विशेष योगदान रहा। 7 मई 2015 को आर्य समाज बक्सीपुर, गोरखपुर

...शेष पृष्ठ 4 पर

भूकम्प पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित करते दिल्ली सभा के मंत्री श्री सुखबीर सिंह एवं आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली के मंत्री श्री एस.पी. सिंह एवं केन्द्रीय आर्य समाज के अधिकारीगण।

11वें आर्य परिवार वैवाहिक परिचय सम्मेलन की बुकलेट तात्कालिक रजिस्ट्रेशन सहित सभा की वैबसाईट www.thearyasamaj.org पर डाउनलॉड कर देख लेवें।

वेद-स्वाध्याय

हे आदित्यो! मरने से पूर्व मुझे बचा लो

आचार्य अभयदेव

जीवान्नो अभि धेतनादित्यास: पुरा हथात्। कद्ध स्थ हवनश्रुत:।। ऋ0 8/67/5
ऋषि:- मत्स्य: साम्मद:, मैत्रावरुणिर्बहवो वा मत्स्या जालनद्धा:।।
देवता- आदित्य:।। छन्द: -निचृद्गायत्री।।

शब्दार्थ:- आदित्यास: - हे आदित्यो! **अभिधेतन**- दौड़ो **जीवान् न:** - हम जीते रहतों के पास **हथात् पुर:**- हमारे मारे जाने से पहले ही दौड़ो। **हवनश्रुत:** हे पुकार सुनने वाले! **कद्ध स्थ**- तुम कहां हो?

विनय- हे आदित्य देवो! दौड़ो! हमें बचाओ! मौत हमारे सामने मुंह खोले खड़ी है। अगले ही क्षण में हम उसके ग्रास होने वाले हैं। भोगों को भोगते हुए तो हमें मालूम न था कि ये आसानी से भोगे जाते हुए भोग एक दिन भोक्ता बनकर हमें खाने के लिए आएंगे। उस समय हम खुशी से अपने को इन विषयों के बंधन-जाल में बांधते गये। यह अनुभव न किया कि हम मृत्यु के जाल में बंध रहे हैं, परंतु अब इस समय का यह मृत्यु-मुख में जाने का एक क्षण, पश्चात्तापमय यह एक क्षण, शेष सारे बीते हुए जीवनकाल के मुकाबले में खड़ा है। बस, यही एक क्षण है इस बीच, हे आदित्यो! मैं तुम्हें पुकार रहा हूं। सुना है तुम जगदीश्वर की अखंडनीय शक्तियां हो, तुम बंधन-जाल से छुड़ाने वाली शक्तियां हो, तुम प्रकाश देने वाली शक्तियां हो। तुम कहां हो? मेरी पुकार क्यों नहीं सुनते? क्षण भर में दम निकलना चाहता है। तुम तो 'पुकार सुनने वाले' (हवनश्रुत) प्रसिद्ध हो। तुमने बड़े-बड़े पापियों के हार्दिक पश्चात्ताप के करुण-क्रन्दनों को सुना है और उन्हें अंतिम समय में भी उबारा है। क्या यह मेरा इस समय का पश्चात्तापमय रुदन भी हृदय से निकला रुदन नहीं है? तो फिर तुम क्यों नहीं सुनते? क्यों नहीं दौड़कर मुझे बचाते? क्या अगले क्षण जब मैं मर चुकूंगा, मेरा विनाश पूर्ण हो चुका होगा, मेरी ही समाप्ति हो चुकी होगी, तब आओगे? तब क्या बनेगा? ओह! यदि मेरा उबारना अभीष्ट है तो ये जो जीवन के दो-चार पल शेष हैं, इन्हीं में आ पहुंचो। दौड़ो, मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। **-साभार वैदिक विनय**

ग्रंथ परिचय

''बम्बई प्रवचन''

प्रश्न 1 : महर्षि ने तो अपने जीवन काल में देश के अनेक स्थानों पर प्रवचन दिये, परन्तु प्रवचन के विषय में केवल एक ही ग्रन्थ मिलता है - 'उपदेश-मंजरी', जिसमें पूना के 15 प्रवचनों का संग्रह है। क्या इसके अतिरिक्त किसी अन्य ग्रन्थ में उनके अन्य प्रवचन नहीं मिलते?

उत्तर : पूना प्रवचनों की तरह एक अन्य ग्रन्थ भी है, जिसे 'बम्बई-प्रवचन' के नाम से 'ऋषि दयानन्द के शास्त्रार्थ और प्रवचन' नामक ग्रन्थ में वर्ष 1982 ई. में प्रथम बार प्रकाशित किया गया था।

प्रश्न 2 : यह किस भाषा में है?

उत्तर : यह हिन्दी भाषा में है, जिसे पं. युधिष्ठिर मीमांसक जी ने गुजराती से अनुवाद किया था।

प्रश्न 3 : इसमें ऋषि दयानन्द के कौन से प्रवचन हैं?

उत्तर : इसमें ऋषि दयानन्द के बम्बई में दिये गये व्याख्यान हैं, जो उन्होंने अपने लगभग छ: मास 30 दिसम्बर 1881 से 24 जून 1882 तक) के प्रवास के दौरान दिये थे।

प्रश्न 4 : इस दौरान उनके कितने व्याख्यान हुए थे?

उत्तर : इस दौरान उनके 24 व्याख्यान हुए थे।

प्रश्न 5 : क्या उस समय इन व्याख्यानों को रिकार्ड किया गया था?

उत्तर : इन व्याख्यानों को रिकार्ड तो नहीं किया गया, परन्तु व्याख्यानों का सार काकड़वाड़ी बम्बई, आर्य समाज की तत्कालीन लिखित 'कार्यवाही संचिका' में संकलित किया गया था, जो गुजराती भाषा में थी।

प्रश्न 6 : फिर इनका हिन्दी भाषा में सबसे पहले अनुवाद किसने किया और उसका प्रकाशन कब हुआ?

उत्तर : इनका हिन्दी भाषा में अनुवाद सबसे पहले बम्बई निवासी श्री जगदेव सिंह जी ने किया और प्रकाशन 'वेदवाणी' के फरवरी-मार्च, वर्ष 1982 के अंकों में हुआ।

प्रश्न 7 : जैसाकि प्रश्न -5 के उत्तर से प्रतीत होता है कि इन व्याख्यानों का सार प्रकाशित हुआ था, तो क्या इन व्याख्यानों का विस्तृत विवरण नहीं मिल सकता?

उत्तर : यदि परिश्रम किया जाए, तो बम्बई से गुजराती में छपने वाले 'जामे जमशेद' और 'मुम्बई समाचार' नामक समाचार पत्रों की उस समय की पुरानी फाइलों को ढूंढ़ने पर इन व्याख्यानों का विस्तृत विवरण मिल सकता है।

प्रश्न 8 : इसमें क्या प्रमाण है कि उपरि. लिखित समाचार-पत्र उस समय इन व्याख्यानों को छापते ही थे?

उत्तर : प्रश्न-5 के उत्तर में उल्लेखित 'कार्यवाही-संचिका' में 5 फरवरी, वर्ष 1882 के दिन व्याख्यान का जो सारांश दिया गया है, उसके पश्चात् लिखा है- ''.....सविस्तार जानने के लिए 12 फरवरी का गुजराती का समाचार-पत्र देखें, उसमें पत्रकर्ता ने यथावत् लिखा है, उसे लोगों ने बांचा होगा।''

('ऋषि दयानन्द के ग्रन्थों का इतिहास' : लेखक -युधिष्ठिर मीमांसक, पृ. 276 से साभार उद्धृत) तो फिर इस क्षेत्र में हमारे विद्वानों को अवश्य ही प्रयास करना चाहिए।

साभार-महर्षि दयानन्द ग्रंथ परिचय

सार्वदेशिक आर्य वीर दल का राष्ट्रीय शिविर, 1 से 14 जून

स्थान:- आर्ष गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद, हरियाणा।

इस शिविर में सार्वदेशिक आर्य वीर दल की आर्यवीर, शाखा नायक, उप व्यायाम शिक्षक, व्यायाम शिक्षक, श्रेणी के शारीरिक एवं बौद्धिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण सुयोग्य शिक्षकों द्वारा किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के इच्छुक आर्य वीर द्वारा पहले किए शिविरों के प्रमाण पत्रों की फोटो कापी, अपने दो फोटो और आर्य वीर दल अथवा आर्य समाज के अधिकारियों की संस्तुति पत्र साथ लेकर आएं। आवश्यक सामान, गणवेश- खाकी हाफ पैंट, सफेद जूते, सफेद मोजे, सफेद शर्ट, सफेद सैण्डो बनियान, लाल-लंगोट, लाठी, नोट बुक, हल्का बिस्तर तथा अन्य उपयोगी सामान साथ लेकर आएं। प्रवेश शुल्क आर्यवीर 300/- रुपए शाखा नायक 400/- रुपए, उप व्यायाम एवं व्यायाम शिक्षक 500/- रुपए

शिविरार्थियों को पाठ्य पुस्तकें शिविर की ओर से प्रदान की जाएंगी

नोट: शिविर में नवम कक्षा उत्तीर्ण अथवा 14 वर्ष से अधिक आयु वाले शिविरार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

मार्ग: रेल आदि से आने पर फरीदाबाद स्टेशन से उतर कर 'सराय ख्वाजा' बस या टैम्पो द्वारा पहुंच कर गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ पहुंचे। दिल्ली की ओर से आने वाले बस या मैट्रो द्वारा बदरपुर या सराय ख्वाजा से गुरुकुल में पहुंचे।

निवेदक :-

स्वामी देवव्रत सरस्वती	आचार्य विजय पाल	रामपाल आर्य	प्रेम कुमार मित्तल	नंद किशोर शास्त्री
प्रधान संचालक,	प्रधान (09416055044)	मंत्री	मंत्री	प्रधान व्यायाम शिक्षक
सार्वदेशिक आर्य वीर दल	(आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा)		गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ	(मो. 09466436220)

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल के तत्त्वावधान में

राष्ट्रीय व्यक्तित्व विकास एवं आत्म रक्षण शिविर

18 से 28 जून 2015

स्थान- एस.एम. आर्य पब्लिक स्कूल, पश्चिमी पंजाबी बाग, दिल्ली

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कन्याओं में शारीरिक, आत्मिक, नैतिक बल और वैदिक सिद्धांतों, संस्कारों का प्रशिक्षण देकर उन्हें राष्ट्र, समाज व परिवार के निर्माण में अहम् भूमिका निभाने हेतु सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल यह शिविर आयोजित कर रहा है। समस्त प्रान्तीय सभाओं एवं आर्यसमाजों से निवेदन है कि अपने अन्तर्गत लगने वाली आर्य वीरांगना दल की अधिकाधिक आर्य वीरांगनाओं को शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित करें तथा अधिकाधिक सहयोग भी प्रदान करें।

निवेदक :-

साध्वी उत्तमा यति	मृदुला चौहान	सत्यानन्द आर्य	अरविन्द नागपाल
प्रधान संचालिका	संचालिका	प्रधान	मैनेजर
8750482498	9810702760	एस.एम. आर्य पब्लिक स्कूल	

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36-16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36-16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30-8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

वेदों में विज्ञान

वेद संसार में सबसे प्राचीन ग्रंथ है। वेद में ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान का भी समावेश है। आधुनिक भौतिक विज्ञान भी सुक्ष्म रूप से वेदों में विद्यमान है। जिसको अनेक ऋचाओं के माध्यम से डॉ. विवेक आर्य जी ने इस लेख में सप्रमाण दर्शाया है। पाठकों के संज्ञान हेतु यह उपयोगी लेख आपके समक्ष प्रस्तुत है। **-सम्पादक**

वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है सब सत्य विद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं, उन सबका आदिमूल परमेश्वर है। आर्यसमाज के इन नियमों के माध्यम से स्वामी दयानंद न केवल वेदों को सब सत्य विद्या का कोष होने का सन्देश देते है अपितु उसे परमेश्वर द्वारा प्रदत भी मानते है। स्वामी जी के अनुसार वेदों में मानव कल्याण के लिए विज्ञान बीजरूप में वर्णित है। वेदों में विज्ञान के अनेक प्रारूपों में से एक खगोल विद्या को इस लेख के माध्यम से जानने का प्रयास करेंगे। विश्व इतिहास में सूर्य, पृथ्वी, चन्द्रमा आदि को लेकर अनेक मतमतांतर में अनेक भ्रांतियां प्रसिद्द हैं जो न केवल विज्ञान विरूद्ध है अपितु कल्पित भी है जैसे पृथ्वी चपटी है, सूर्य का पृथ्वी के चारों ओर घूमना, सूरज का कीचड़ में डूब जाना, चाँद के दो टुकड़े होना, पृथ्वी का शेषनाग के सर पर अथवा बैल के सींग पर अटका होना आदि। इन मान्यताओं की समीक्षा के स्थान पर वेद वर्णित खगोल विद्या को लिखना इस लेख का मुख्य उद्देश्य रहेगा।

वेदों में विश्व को तीन भागों में विभाजित किया गया हैं- पृथ्वी, अंतरिक्ष (आकाश) एवं द्यौ। आकाश का सम्बन्ध बादल, विद्युत और वायु से हैं, द्युलोक का सम्बन्ध सूर्य, चन्द्रमा,गृह और तारों से हैं।

पृथ्वी गोल है : ऋग्वेद 1/33/8 में पृथ्वी को आलंकारिक भाषा में गोल बताया गया है। इस मंत्र में सूर्य पृथ्वी को चारों ओर से अपनी किरणों द्वारा घेरकर सुख का संपादन (जीवन प्रदान) करने वाला बताया गया है। पृथ्वी अगर गोल होगी तभी उसे चारों ओर से सूर्य प्रकाश डाल सकता है। अब कुछ लोग यह शंका कर सकते है कि पृथ्वी अगर चतुर्भुज होगी तो भी तो उसे चारों दिशा से सूर्य प्रका. शित कर सकता है।

इस शंका का समाधान यजुर्वेद 23/61-62 मंत्र में वेद पृथ्वी को अलंकारिक भाषा में गोल सिद्ध करते है।

यजुर्वेद 23/61 में लिखा है कि इस पृथ्वी का अंत क्या है? इस भुवन का मध्य क्या है?

यजुर्वेद 23/62 में इसका उत्तर इस प्रकार से लिखा है कि यह यज्ञवेदी ही पृथ्वी की अंतिम सीमा है। यह यज्ञ ही भुवन का मध्य है। अर्थात जहाँ खड़े हो वही पृथ्वी का अंत है तथा यही स्थान भुवन का मध्य है। किसी भी गोल पदार्थ का प्रत्येक बिंदु (स्थान) ही उसका अंत होता है और वही उसका मध्य होता है। पृथ्वी और भुवन दोनों गोल हैं।

ऋग्वेद 10/22/14 मंत्र में भी पृथ्वी को बिना हाथ-पैर वाला कहा गया है। बिना हाथ पैर का आलंकारिक अर्थ गोल ही बनता है। इसी प्रकार से ऋग्वेद 1/185/2 में भी अंतरिक्ष और पृथ्वी को बिना पैर वाला कहा गया है।

पृथ्वी के भ्रमण का प्रमाण: पृथ्वी को गोल सिद्ध करने के पश्चात प्रश्न यह है कि पृथ्वी स्थिर है अथवा गतिमान है। वेद पृथ्वी को सदा गतिवान मानते है।

ऋग्वेद 1/185/1 मंत्र में प्रश्न-उत्तर शैली में प्रश्न पूछा गया है कि पृथ्वी और द्युलोक में कौन आगे हैं और कौन पीछे हैं अथवा कौन ऊपर हैं और कौन नीचे हैं? उत्तर में कहा गया कि जैसे दिन के पश्चात् रात्रि और रात्रि के पश्चात दिन आता ही रहता है, जैसे रथ का चक्र ऊपर नीचे होता रहता है वैसे ही द्यु और पृथ्वी एक दूसरे के ऊपर नीचे हो रहे हैं अर्थात् पृथ्वी सदा गतिमान है।

अथर्ववेद 12/1/52 में लिखा है वार्षिक गति से (वर्ष भर) पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर काटकर लौट आती है।

पृथ्वी आदि गृह सूर्य के आकर्षण से बंधे हुए हैं

ऋग्वेद 10/149/1 मंत्र का देवता सविता है। यहाँ पर ईश्वर द्वारा पृथ्वी आदि ग्रहों को निराधार आकाश में आकर्षण से बांधना लिखा है।

ऋग्वेद 1/35/2 मंत्र में ईश्वर द्वारा अपनी आकर्षण शक्ति से सूर्य, पृथ्वी आदि लोकों को धारण करना लिखा है।

ऋग्वेद 1/35/9 मंत्र में सूर्य को द्युलोक और पृथ्वी को अपने आकर्षण से स्थित रखने वाला बताया गया है।

ऋग्वेद 1/164/13 में सूर्य को एक चक्र के मध्य में आधार रूप में बताया गया है एवं पृथ्वी आदि को उस चक्र के चारों ओर स्थित बताया गया है। वह चक्र स्वयं घूम रहा है एवं बहुत भार वाला अर्थात जिसके ऊपर सम्पूर्ण भुवन स्थित है , सनातन अर्थात कभी न टूटने वाला बताया गया है।

चन्द्रमा में प्रकाश का स्रोत्र : ऋग्वेद 1/84/15 में सूर्य द्वारा पृथ्वी और चन्द्रमा को अपने प्रकाश से प्रकाशित करने वाला बताया गया है।

दिन और रात कैसे होती हैं: ऋग्वेद 1/35/7 में प्रश्नोत्तर शैली में प्रश्न आया है कि यह सूर्य रात्रि में किधर चला जाता है तो उत्तर मिलता है पृथ्वी के पृष्ठ भाग में चला जाता है। दिन और रात्रि के होने का यही कारण है।

ऋग्वेद 10/190/2 में लिखा है ईश्वर सूर्य द्वारा दिन और रात को बनाता हैं।

अथर्ववेद 10/8/23 में लिखा है नित्य ईश्वर के समान दिन और रात्रि नित्य उत्पन्न होते हैं।

वेद में काल विभाग : अथर्ववेद 9/9/12 में लिखा है वर्ष को बारह महीनों वाला कहा गया है।

अथर्ववेद 10/8/4 में लिखा है ईश्वर द्वारा प्रयोजन के लिए एक वर्ष को बारह मास, ऋतुओं और दिनों में विभाजित किया गया है।

अथर्ववेद 12/1/36 में वर्ष को 6 ऋतुओं में विभाजित किया गया है।

इस प्रकार से वेदों के अनेक मन्त्रों में खगोल विज्ञान के दर्शन होते है। वेदों में विज्ञान विषय पर शोध करने की आवश्यकता है।

नोट- अनेक वैदिक मन्त्रों का भाष्य अनेक विद्वानों ने अपनी अपनी शैली में किया हैं जिस पर विरोधभास अथवा असहमति कि स्थिति में बृहत्तर चिंतन करने की आवश्यकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका- स्वामी दयानंद
यजुर्वेद भाष्य- स्वामी दयानंद
ऋग्वेद भाष्य- स्वामी दयानंद
अथर्ववेद भाष्य- विश्वनाथ वेदालंकार
अथर्ववेद भाष्य- पंडित क्षेमकरण दास त्रिवेदी
वैदिक विज्ञान- पंडित शिवशंकर शर्मा काव्यतीर्थ
भूमिका भास्कर- स्वामी विद्यानंद
वेदों के पाठक सावधान- शिव नारायण सिंह गौतम
वेद पथ पत्रिका संपादक ठाकुर अमर सिंह, दिसंबर 1964 का अंक।

-डॉ विवेक आर्य

Pramana For Atma

The enquiry on life, pains and sufferings lead to the understanding of three eternal entities named 'Prakrithi (primordial matter)', 'Atma (soul)' and 'Paramatma (God)'. Let us enquire into what are the 'pramanas (proofs)' for the existence of atma. Let me explain it with reference to few vedic books.

1.Icha Dwesha Prayatna Sukha Dukha Gyanatmano Lingamati (इच्छा द्वेष प्रयत्न सुख-दु:ख ज्ञानान्यात्मनो लिङ.गमिति) : This is a famous verse from nyaya darshana. The attributes of desire (Icha), dislike (Dwesha), effort (Prayatna), happiness(Sukha), suffering (Dukha), understanding or awareness (Gyan) shows the presence of atma.

Today in the world of democracy, we all respect each and every human being. And therefore we value and recognise the 'like/dislike', 'happiness/suffering', 'efforts' and 'understanding' of each and every human being. Moden science recognise these as attributes of the human being (live human body), but not able to recognise the source or root of all these attributes. From the above verse of Nyaya Darshana it is clear that it is presence of atma which gives the mentioned attributes to the livingz body(human being). The exit of atma from the human body (death) removes all the above mentioned attributes from the human being. And the inert physical body(dead body) does not show any of the mentioned attributes. Therefore there is a need for us to understand and recognise the true owner and source of human values we have, which is the 'atma'.

Let us enquire more into the pramanas for the existence of atma, and see how we can understand the same.

2. Asthyatma Nastitwa Sadhanabhavat (अस्त्यात्मा नास्तित्वसाधनाभावात्) : This is a famous verse from Sankhya Darshana. 'I Understand' or 'I feel' or 'I am' are the primary personal experience we all have (I, the atma have). Therefore we or atma is true. And there is "NO" proof or evidence to say that it is NOT I (atma), who has the experience of "I Understand" or "I feel" or "I am". Lack of proof or evidence to say that these experiences belong to something else confirms the existence of atma (or the real 'I').

Now the question comes, how come the modern science which we are very proud of, missed to identify the existence of 'atma'. The next verse in Sankhya Darshana gives us a clue on how it might have missed.

3. Dehadivyatiriktosou vaichitryath (देहादिव्यतिरिक्तोशौ वैचित्र्यात्) The atma is different from body and mind, because the attributes are totally different. The body and mind are ever changing, temporary and made of physical materials. Whereas the atma is unchanging and eternal. The body and mind are the tools(or machinery) of the atma to enjoy or experience the life. The machinery and tools are "FOR" the atma. Therefore body and mind is different from atma.

The next verse of Nyaya Darshana reinforces the fact that atma and body and mind are different.

4. Shashtivyapadesha (षष्टीव्यपदेशादपि) : We always interact in "Shashti-Vibhakthi" (a term in Sanskrit grammer) also shows that atma is different from body and mind. The examples of Shashti- vibhakthi are present in usages like "my body", "my mind", "my intelligence", "my head" etc. There is no usage of "I am body" "I am brain", "I am mind" etc. Exceptions of "I am tall", "I am

...शेष पेज 6 पर

पृष्ठ 1 का शेष के लगभग 25-30 अधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलकर यज्ञ किया और ओ३म् का ध्वज दिखाकर खाद्य सामग्री के ट्रक को नेपाल के विनाशकारी भूकम्प पीड़ितों के लिए रवाना किया। यह सामग्री आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट के सहयोग से खरीदकर भिजवायी गयी। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य केन्द्रीय सभा तथा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारियों द्वारा इन सभी को इस सम्पूर्ण कार्य में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया जाता है। देश की विभिन्न आर्य समाजों की ओर से नेपाल में राहत कार्य लगातार जारी है।

फिर से दहला नेपाल : 24 घण्टों के दौरान भूकम्प के 33 झटके नेपाल सहित समूची दुनिया में दहशत का वातावरण बना हुआ है।

पिछले महीने नेपाल में आये भूकम्प के चलते समूचे नेपाल में राहत कार्य अभी चल ही रहा है कि सोमवार 11 मई देर रात से मंगलवार 12 मई

दोपहर तक भारत सहित नेपाल, रूस, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, ताईवान, कैलीफोर्नियां, पाकिस्तान, अलास्का, चिली, फिजी, तुर्की सहित लगभग पूरी दुनिया में 24 घण्टों के दौरान भूकम्प के 33 झटके महसूस किये गये जिसमें सबसे तेज झटका नेपाल के कोडारी में में महसूस किया गया जिसकी तीव्रता 7.4 थी। नेपाल में आए इस दूसरे विनाश कारी भूकम्प में 29 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है व 1000 से ज्यादा लोगों के घायल होने के समाचार मिले हैं। भारत में भी बिहार व उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में कई लोगों के मारे जाने व सैकड़ों के हताहत होने के सामाचार प्राप्त हुए हैं। दो महीनों के भीतर पुनः आए विनाशकारी भूकम्प के झटकों से लोगों में दहशत व्याप्त है। **-महामंत्री**

नेपाल भूकम्प पीड़ितों के सहायतार्थ आर्य समाज गोरखपुर के पदाधिकारी राहत सामग्री वाहन को रवाना करते हुए तथा दिल्ली सभा के पदाधिकारियों द्वारा नेपाल भूकम्प ग्रस्त क्षेत्रों के भेजे गए कुछ फोटो ग्राफ्स।

नेपाल भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ आर्यजनों से अपील

आर्यजनों से विनम्र निवेदन है कि अपनी आर्यसमाजों के बाहर **"नेपाल भूकम्प राहत कोष हेतु सहयोग देवें"** के बैनर लगावें तथा अधिकाधिक मात्रा में राहत सामग्री एकत्र करके **नेपाल भूकम्प राहत शिविर** - नेपाल केन्द्रीय आर्यसमाज, **टंक प्रसाद मार्ग, बालेश्वर हाईट्स, काठमाण्डू (नेपाल) मो. 00977-9860481314** पर सीधे भिजवाएं।

अधिकाधिक मात्रा में खाद्य सामग्री, दूध पाउडर, नए कपड़े, धोती, तौलिए तथा अन्य जरूरतों के सामान के साथ-साथ आर्थिक सहयोग राशि भेजें।

कृपया अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट/नकद 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम कैम्प कार्यालय- **15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के** पते पर भेजें।

दानी सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि निम्न बैंक खाते में सीधे भी जमा करा सकते हैं-

'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' - खाता सं. 09481000000276, पंजाब एंड सिंध बैंक शाखा कालकाजी, नई दिल्ली, IFSC - PSIB 0020948 MICR - 110023121

यदि आप अपनी **दान राशि पर आयकर छूट** चाहते हैं तो कृपया अपनी दानराशि **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम भेजें अथवा निम्न बैंक खाते में जमा कराएं। दिल्ली सभा को दिया गया समस्त दान आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।

दानी सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि निम्न बैंक खाते में सीधे भी जमा करा सकते हैं-

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' खाता सं. 910010008984897, एक्सिस बैक शाखा करोलबाग, नई दिल्ली, IFSC - UTIB0000223 MICR - 110211025

कृपया अपनी दान राशि जमा करने के तत्काल बाद नम्बर 9540040339 पर सूचित करें तथा **aryasabha@yahoo.com** पर डिपॉजिट स्लिप ईमेल करें ताकि उन्हें रसीद भेजी जा सके। **दानी महानुभावों, आर्यसमाजों, व्यापारिक एवं शैक्षिणिक संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली राशि तथा राहत सामग्री की सूची सभा के साप्ताहिक पत्र "आर्य सन्देश" में निरन्तर प्रकाशित की जाएगी।**

''शत हस्त समाहर सहस्र हस्त सं किर'' - सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो

पीड़ितों की सेवा ही हम सबका राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्त्तव्य

आर्यजन दिल खोलकर दान दें

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर सभा को नेपाल भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ प्राप्त दान सूची

आर्य समाज, सुन्दर विहार, नई दिल्ली द्वारा एकत्रित की गई दान राशि

49. श्री कंवर भान क्षेत्रपाल 2100/-
50. श्रीमती नम्रता रहेला 2100/-
51. श्रीमती सुदेश आहूजा 1100/-
51. श्री आर. एल. पुंज्ञानी 1000/-
53. श्री प्रहलाद सिंह 500/-
54. श्री वी.के.महाजन 500/-
55. श्री जे.पी. सिंह 500/'
56. श्री जे.एस.वर्मा 500/-
57. श्री अमर नाथ बत्रा 500/-
58. श्री भूपेन्द्र कुमार 500/-
59. श्री विश्व कुमार 500/-
60. श्रीमती शकुन्तला मेहता 200/-
61. श्री बी.के. चोपड़ा 200/-
62. श्री एस.के. रहेजा 500/-
63. डॉ. प्रभा 200/-
64. श्रीमती उमा वर्मा 250/-
65. श्रीमती राज खुराना 100/-
66. आर्य समाज, सुन्दर विहार 1750/-
67. आर्य समाज सूरजमल विहार 31000/-
68. दर्शन योग धर्मार्थ ट्रस्ट (रोजड़) 10001/-
69. आर्य समाज हडसन लाइन किंग्जवे कैम्प 11000/-
70. श्रीमती निर्माला मोहिन्द्रा जी 3100/-
71. श्रीमती आशा वर्मा - 25000/-

- क्रमशः

इस मद में दान देने वाले दानी महानुभावों के नाम इसी प्रकार आर्य संदेश के आगामी अंकों में भी प्रकाशित किये जाएंगे। -महामंत्री

शिक्षक कार्यशाला आयोजित

आर्य विद्या परिषद् दिल्ली द्वारा आर्य विद्यालयों के शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन आरंभ

अ ध्यापक और उपदेशक शिक्षा और उपदेश के द्वारा सदाचार का मार्ग दिखाते हैं। अत: उनकी संगति सबको करनी चाहिए'' -शिक्षकों से उनके कर्त्तव्यों व जिम्मेदारियों की चर्चा करते हुए वेद के संदेश के अनुसार श्री सुरेंद्र कुमार रैली (प्रस्तोता आर्य विद्या परिषद, दिल्ली) ने 9 मई शनिवार को शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में अपने विचार रखे।

रघुमल आर्य कन्या सीनियर सेकैण्डरी स्कूल, राजा बाजार, कनॉट प्लेस, दिल्ली में आयोजित इस कार्यशाला में श्रीमती वीना आर्या, श्रीमती तृप्ता शर्मा, श्री संजय कुमार और विभिन्न आर्य विद्यालयों के अधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे।

अपने वक्तव्य में श्री रैली जी ने आर्य शिक्षण संस्थाओं को मानव निर्माण के सबसे बड़े शिक्षण संस्थानों के रूप में बताते हुए शिक्षकों को विभिन्न बिन्दुओं के माध्यम से प्रेरित किया। अपने निजी अनुभवों के आधार पर उन्होंने अध्यापिकाओं को ईश्वर स्वरूप को जानना व मानना, ईश्वर की सत्ता में पूर्ण विश्वास रखना, अपनी जिम्मेदारियों एवं कर्त्तव्यों का निष्ठा व ईमानदारी से वहन करना, सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखना, अपने ज्ञान व प्रतिभा को निरंतर बढ़ाना, नवप्रवर्तक विचार रखना, समय का पालन करना व करवाना, सभी विद्यार्थियों के लिए समानता का भाव रखते हुए न्यायप्रिय होना और उत्साही व प्रेरक रहने की भी विस्तार से चर्चा की, इसके साथ ही उन्होंने अध्यापिकाओं को बच्चों की प्रतिभा को बढ़ाने की भी विभिन्न क्रियाएँ बताई।

कार्यशाला में उपस्थित विद्यालय के प्रबंधक श्री संजय कुमार जी ने सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं को अनिवार्य बताते हुए कहा कि आर्य समाज की शिक्षाएँ नैतिकता का आधार हैं जिन आदर्शों व सिद्धांतों को फैलाने की जिम्मेदारी लेकर आर्य महानुभावों ने इन विद्यालयों की स्थापना की, हमें उनकी पवित्र भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

श्रीमती वीणा आर्या जी ने सभी उपस्थित अध्यापिकाओं को इस कार्यशाला में बताए सभी बिन्दुओं को अपने जीवन में अपनाने और अपने सम्पर्क में आने वाले सभी विद्यार्थियो को भी सिखाने के लिए प्रेरित किया।

अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती किरण तलवार ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि सभी अध्यापिकाओं को इन प्रेरक बिन्दुओं को अवश्य ही आत्मसात् करना चाहिए।

- संयोजिका

चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

आर्य विद्या परिषद् दिल्ली, द्वारा सभी आर्य शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन की श्रृंखला में 5 मई 2015 को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रघुमल आर्य कन्या सी.सै. स्कूल, राजा बाजार, कनाट प्लेस में सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में दिल्ली की विभिन्न आर्य शिक्षण संस्थाओं के लगभग 300 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

पांच वर्गों में व्यवस्थित इस प्रतियोगिता में जहां छोटे बच्चों ने दिये गये चित्रों में रंग भरे, वहीं बड़े बच्चों ने दिये गये विषय 'मेरे सपनों का भारत', 'बिना जाति बिना भेद सारा भारत एक', 'स्वच्छ भारत' और 'शिक्षा सबका अधिकार' के अंतर्गत अपनी कल्पनाओं को रंगों से उकेरा।

प्रतियोगिता के उपरांत सभी प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र, कॉमिक्स व मैडल प्रदान किये गये। इस अवसर पर श्री संजय जी, श्रीमती वीणा आर्या, श्रीमती तृप्ता शर्मा व विभिन्न विद्यालयों की अध्यापिकाएं उपस्थित थीं।

प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय प्रांगण में करवाने के लिए श्री संजय जी ने आर्य विद्या परिषद् का धन्यवाद किया और बच्चों की प्रतिभा और व्यक्तित्व में निखार के लिए इन प्रतियोगिताओं के आयोजन को सराहनीय बताया। **-सरोज यादव**

वर्ग 1

प्रथम : 1. सरोज- आर्य पब्लिक स्कूल राजा बाजार, 2. हुरिया- दयानन्द मॉडल स्कूल विवेक विहार, **द्वितीय :** कोमल-रघुमल आर्य कन्या उच्चतम माध्यमिक विद्यालय(राजाबाजार), चित्रा- सहदेव मल्हौत्रा आर्य पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग।

वर्ग 2

प्रथम: 1. गरिमा- महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल, शादी खामपुर 2. सानिया- रतन चन्द्र आर्य पब्लिक स्कूल सरोजनी नगर, **द्वितीय पुरस्कार :** 1. रिया चारन- आर्य पब्लिक स्कूल (राजा बाजार) 2. निधि पार्चा- महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल शादी खामपुर।

वर्ग 3

प्रथम : कशिश मेहरा- दयानन्द आदर्श विद्यालय तिलक नगर, तमन्ना, रघुमल आर्य कन्या उच्चतम विद्यालय, (राजा बाजार) **द्वितीय:** सिमरन- दयानन्द आदर्श विद्यालय तिलक नगर, अभिषेक सजावत, रतन चन्द्र आर्य पब्लिक स्कूल सरोजिनी नगर, रोहित- जुगमिन्दर दास आर्य वैदिक विद्यालय नया बांस।

वर्ग- 4

प्रथम : कोपल- दयानन्द मॉडल सै. स्कूल, विवेक विहार, **द्वितीय :** सृष्टि- रतन चंद आर्य पब्लिक स्कूल सरोजनी नगर, कशिश- दयानन्द माडल सै. स्कूल विवेक विहार।

वर्ग- 5

प्रथम पुरस्कार: प्रीति कुमारी- सहदेव मल्होत्रा पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग, राशि- बिरला आर्य गर्ल्स सी.सै. स्कूल. कमला नगर, प्रिन्स- जुगमिन्दर दास आर्य वैदिक सै. स्कूल, नया बाँस, **द्वितीय पुरस्कार :** नित्या- दयानन्द आदर्श विद्यालय तिलक नगर, हिमांशु कटारिया- रतन चंद आर्य पब्लिक स्कूल सरोजनी नगर।

25वां रजत जयंती वार्षिकोत्सव एवं वेदारम्भ संस्कार समारोह

आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय, आबूपर्वत जिला- सिरोही (राजस्थान)

दिनांक : 29, 30 व 31 मई 2015

कार्यक्रम: यज्ञ एवं संध्या : प्रात: 6.30 से 8.00 बजे, सायं 5.00 से 07.00 बजे, **भजन एवं उपदेश प्रात: 8.30 से 12 बजे,** मध्यान 3.00 से 5.00 और रात्रि 8.30 से 10.30, **ब्रह्मा** - श्री कमलेश कुमार शास्त्री, **आचार्य** - ब्र. ओम प्रकाश आर्य, सायंकाल 5 से 7 बजे, स्वामी धर्मानन्द सरस्वती जी अध्यक्ष। **मो. 09414589510**

101 कुण्डीय महायज्ञ सम्पन्न

आर्य कन्या विद्यालय समिति के प्रधान श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में 10 मई 2015 को अपनाघर शालीमार, अलवर में आर्य कन्या विद्यालय समिति एवं त्रेहान होम डवलपर्स के सामूहिक प्रयास से महर्षि दयानन्द सरस्वती के सिद्धान्तों, वेद प्रचार, पर्यावरण शुद्धि, विश्व शांति एवं सुख समृद्धि हेतु तथा सफाई अभियान को समर्पित 101 कुण्डीय महायज्ञ आयोजित किया गया। महायज्ञ के ब्रह्मा पं. हरि प्रसाद व्याकरणाचार्य, नई दिल्ली थे तथा यज्ञ के अधिष्ठाता अमरमुनि जी पूर्व मंत्री, आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान, आर्य शिरोमणि पं. विनोदी लाल दीक्षित, वैदिक विद्वान एवं समाज सेवी पं. शिव कुमार कोशिक थे। **-कमला शर्मा, निदेशक**

''बाल संस्कार शाला'' सम्पन्न

आर्य समाज बी.एन. पूर्वी शालीमार बाग में महिला आर्य समाज द्वारा एक दिवसीय 'संस्कार शाला (प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 40 प्रतिभागियों ने विभिन्न आयुवर्ग के अन्तर्गत भाग लिया। जिसमें, गायत्री मंत्र, कविता, ईश्वर स्तुति, प्रार्थनोपासना मंत्र, किसी देश भक्त , वेद हमारे जीवन का आधार, चरित्र निर्माण युग पुरुष महर्षि दयानन्द सरस्वती एवं अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कनिष्ठ समूह में सामाख्या, सामायरा तथा वरिष्ठ समूह में जयद्युम्न आर्य को प्रथम एवं जहानवी आर्या को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए। मंच का कुशल संचालन श्रीमती डॉ. प्रतिभा जी ने किया प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डॉ. महेश विद्यालंकार जी ने इस प्रतियोगिता को 'संस्कार शाला' का नाम देते हुए बालकों का उत्साह वर्धन किया और आशीर्वाद दिया। आर्य समाज के संरक्षक श्री वेद प्रकाश मेहता जी एवंमंत्री श्री नरेन्द्र अरोड़ा जी ने भी बालकों को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ दी। स्त्री समाज की सभी अधिकारियों सहित मंत्री श्रीमती दिशा आर्या ने बाल. कों को आशीर्वाद दिया और भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन की आशा व्यक्त की।

-श्रीमती सुमन गुप्ता, प्रधाना

पुरोहित की आवश्यकता

रानी बाग, नई दिल्ली, आर्य समाज (मेन बाजार)

आवश्यकता है एक सुयोग्य एवं विद्वान पुरोहित एवं आचार्य की जो कि रानी बाग आर्य समाज में पुरोहित के साथ-साथ चले रहे गुरूकुल के बाल. कों की भी देखभाल का दायित्व निभाए। **-जोगेंद्र खट्टर, प्रधान, मो. 9810040982**

योग साधना शिविर

4 से 10 जून 2015

स्वामी आशुतोष जी तथा आचार्य आशीष जी के सानिन्ध में योग साधना शिविर का आयोजन द्रोण स्थली आर्य कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, किशनपुर, देहरादून (उत्तराखण्ड) में आयोजित किया जा रहा है। **-कुलपति**

पृष्ठ 3 का शेष

Pramana For ...

dark" etc. is being used in language, however it is meant that "my body is tall", "my body is dark coloured" and NOT "atma is tall/ dark".

These reasonings show that atma is totally different from body and mind, and it has different properties and attributes.

There can be another question, can consciousness/life come from the matter.

Here is the statement from the Sankhya Darshana.

5. Na Bhuta Chaithanyam Prathyekadrushte Samhathyepi cha samhathyepi cha (**न भूतचैतन्यं प्रत्येकादृष्टेः सांहत्येपि च सांहत्येपि च**) : There is no life and consciousness in subtle materials (bhootha), because none of the subtle materials exhibit these attributes. Therefore product or by-products of materials also cannot exhibit these properties. For example oil can be produced from mustard or coconut, because coconut and mustard has oil within it's structure. Extending the principle we know that 'mass' can possess potential energy or kinetic energy etc. That is the reason we can extract energy from mass in fission/fusion bombs etc. No physical material (or physical subtle material) found by modern science has the attributes of **इच्छा** (desire), **द्वेष** (dislike), **प्रयत्न** (Prayatna = origination of effort), **सुख** (Sukha = happiness), **दु:ख** (Dukha = worry) and **ज्ञान** (Gyan =Understanding). Therefore entity atma is totally different from physical materials.

Therefore it is clear that there is atma, and let us add the study of atma also in our activities to make our life fulfilling complete.

अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ एवं आर्य समाज बाजार रानी बाग के तत्त्वावधान में

विद्यार्थियों के संस्कार, राष्ट्र भक्ति एवं चरित्र निर्माण हेतु

34 वाँ वैचारिक क्रान्ति शिविर

17 मई से 31 मई 2015 : आर्य समाज मंदिर मेन बाजार रानी बाग, दिल्ली

उद्घाटन समारोह- रविवार 17 मई 2015 सायं 6 बजे

यज्ञोपवीत संस्कार एवं संकल्प समारोह - रविवार 24 मई 2015 प्रात: 8 बजे

समापन समारोह- शनिवार, 30 मई 2015 सायं 5 बजे

विशेष : लगभग पिछले 46 वर्षों से अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ, भारत वर्ष के अनेक ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों जैसे आसाम, नागालैंड, मिजा. रम, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, उड़ीसा एवं राजस्थान इत्यादि प्रांतों के अशिक्षित लोगों में शिक्षा एवं भारतीय संस्कृति का ज्ञान कराने हेतु कार्यरत है। संघ द्वारा लगाए जाने वाले इस वार्षिक शिविर का मुख्य प्रयोजन है कि अनेक प्रांतों के ग्रामीण क्षेत्रों से कुछ युवक-युवतियों को बुलाकर यहाँ दिल्ली में 15 दिनों के शिविर में अपने पास रख उन्हें भारतीय संस्कृति का बोध कराकर इनके हृदय में राष्ट्रीय प्रेम एवं चरित्र निर्माण की भावना जागृत कर सकें, जिससे वे विविध प्रलोभनों और मिथ्या आकर्षणों से बचकर अपनी संस्कृति और गौरव की स्वयं रक्षा करें।

आप सबसे निवेदन है कि अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर वनवासी कार्यकर्ताओं को अपना आशीर्वाद देवें।

महाशय धर्मपाल	जोगेन्द्र खट्टर	अंजना चावला	यज्ञदत्त आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामन्त्री	प्रधाना, आ.स.	मन्त्री, आ.स.

प्रवेश सूचना

आर्ष गुरूकुल ऐरवा कटरा (औरेया)

आर्ष गुरूकुल ऐरवा कटरा (औरेया) उत्तर प्रदेश में नवीन सत्र में प्रवेश प्रक्रिया 25 अप्रैल से प्रारंभ है, विद्यालय उत्तर प्रदेश संस्कृत माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है। परीक्षाएं सर्वत्र मान्य है। विगत वर्षों के परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। विद्यालय में आवासीय व्सवस्था में गुरू शिष्य भाव से पठन-पाठन व्यवस्था है। प्रवेशार्थी की आयु कम से कम 10 वर्ष तथा पंचम कक्षोत्तीर्ण होना आवश्यक है। संस्थान में निर्धन परिवारों के योग्य मेधावी छात्रों को निशुल्क व्यवस्था भी प्रदान की जाती है।

आचार्य रावदेव शास्त्री, मो. 9411239744

गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश

प्राचीन वैदिक परम्परा के संवाहक गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश में नवीन प्रवेशार्थी छात्रों की प्रवेश-परीक्षा पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी 26 जून से 30 जून 2015 जून तक सम्पन्न होगी। प्रवेशार्थी छात्र की अर्हता पंचम श्रेणी उत्तीर्ण, मेधावी, स्वस्थ, सुशील एवं आयु 10 वर्ष होनी चाहिए। प्रवेश परीक्षा लिखित एवं मौखिक दो चरणों में एक दिन में ही होगी। लिखित परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र ही मौखिक परीक्षा का अधिकारी होंगे। **-आचार्य, मो. 09758747920**

आर्ष गुरुकुल विजय नगर

श्री कृष्ण की जन्म भूमि (मथुरा) में आर्ष गुरुकुल विजय नगर दखौला में 30 जून तक प्रवेश किए जाएंगे। यहां संस्कृत भाषा के साथ गणित अंग्रेजी विज्ञान इतिहास भूगोल आदि विषयों का भी अध्ययन कराया जाता है। उत्तम संस्कारों हेतु प्रात: सायं संध्या हवन एवं भजन प्रवचन तथा श्लोक जापन की सुंदर गतिविधि चल रही है। **-स्वामी विश्वानन्द जी, मो. 987742177**

चुनाव समाचार

आर्य उपप्रतिनिधि सभा वाराणसी

प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष
श्री अजीत कुमार आर्य	श्री प्रमोद आर्य	श्री दिनेश आर्य

-मंत्री

स्त्री आर्य समाज विशाखा एन्क्लेव पीतमपुरा, नई दिल्ली

प्रधाना	मंत्री	कोषाध्यक्षा
श्रीमती चंद्रा डुडेजा	श्रीमती इंदु आर्या	श्रीमती पूनम गर्ग

आर्य समाज कांगड़ी जम्मू

प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष
सूबेदार गिरधारी लाल	श्री देवराज आर्य	श्री लालचंद

आर्य समाज चिड़ियाड़

प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष
मा. मोहन सुरेन्द्र	सतपाल आर्य	रवि कुमार आर्य

आर्य समाज दलोगढ़ा

प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष
श्री दलीप कुमार	प्रदीप कुमार	राकेश कुमार

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में आर्य वीर चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षण शिविर

उद्घाटन समारोह (24 मई) - सांय 4:00 बजे | समापन समारोह (31 मई)- सायं 04:00 बजे

स्थान - दरबारी लाल डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल शालीमार बाग, दिल्ली, शिविर शुल्क 300/-रुपये, आयु-कक्षा आठवीं पास 14 वर्ष से अधिक आयु एवं स्वस्थ शरीर वाले छात्र ही भाग ले वें।

जगबीर आर्य, संचालक | **सुन्दर आर्य सह-संचालक** | **बृहस्पति आर्य, महामंत्री, मो. 9990232164**

आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में चरित्र निर्माण एवं आत्म रक्षण शिविर

उद्घाटन समारोह (17 मई) - सांय 4:00 बजे | समापन समारोह (24 मई)- पूर्वाह्न11:00 बजे

स्थानः - दयानन्द मॉडल पब्लिक स्कूल आर्य समाज पटेल नगर, नई दिल्ली, आयु - 12 वर्ष से अधिक आयु वाली स्वस्थ कन्या ही भाग लें। कन्याओं को शिविर स्थल पर छोड़ने और वापसी ले जाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की होगी, शिविरार्थियों के भोजन के लिए थाली, गिलास, चम्मच, कटोरी, मग, टार्च एवं ऋतु अनुकूल बिस्तर साथ लाएं, शिविरार्थिनी दो जोड़ी सफेद सलवार-कमीज, केसरिया दुपट्टा, सफेद पी.टी. शूज तथा दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लाएं, सभी शिविरार्थी 17 मई दोपहर 2:00 बजे तक शिविर स्थल पर अवश्य पहुंचे। शिविर शुल्क - 250/- रुपये, अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

शारदा आर्या, संचालिका | **आर्या स्नेह भाटिया सह-संचालिका** | **लीपिका आर्या, मंत्री, मो. 9811203087**

आर्यवीर दल हरियाणा के तत्त्वावधान में
आर्यवीर चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर

(25 मई से 31 मई), स्थान- आर्य बाल भारती स्कूल पानीपत, आर्य वीर हेतु शुल्क- 100/-रुपये।

आर्य वीर चरित्र निर्माण शिविर

(31 मई से 07 जून), स्थान - आर्य पब्लिक स्कूल सै. 4 , गुड़गाँव

आर्य वीर चरित्र निर्माण शिविर

(8 से 14 जून), स्थान- सभा कार्यालय दयानन्द मठ, रोहतक

आर्य वीर चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षण शिविर

(8 से 14 जून), स्थान - दयानन्द मॉडल स्कूल पातली गेट पलवल

आर्य वीर चरित्र निर्माण शिविर

(25 से 31 मई), स्थान - ओम योग संस्थान पाली फरीदाबाद

आर्य वीर चरित्र निर्माण शिविर

(15 से 21 जून), स्थान - दयानन्द विद्यालय फिरोजपुर झिरका मेवात्

आर्य वीर चरित्र निर्माण शिविर

(2 से 7 जून), स्थान - डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, करनाल
(6 से 10 जून), स्थान - गुरुकुल कुरुक्षेत्र

आर्य वीर चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्त्व विकास शिविर

(14 से 20 जून), स्थान - आर्य कन्या विद्यालय भिवानी

आर्य वीरांगना चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षण शिविर

(31 मई से 07 जून), स्थान- आर्य समाज सै. 4 तथा 7 गुड़गांव
(01 से 05 जून), स्थान- गुरुकुल कुरुक्षेत्र

आर्य वीरांगना व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षण शिविर

(15 से 21 जून), स्थान- वैदिक भक्ति साधन आश्रम आर्य नगर, रोहतक

-आचार्य नन्द किशोर, मो. 09466436220
वेद प्रकाश आर्य, मंत्री-आर्य वीर दल हरियाणा, मो. 09416211809

आर्यवीर दल उत्तर प्रदेश के तत्त्वावधान में
आर्यवीर चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्त्व विकास शिविर

(17 से 26 मई), स्थान - आर्य समाज सदर, झांसी
(19 से 26 मई), स्थान - आर्य समाज बलिया
(25 से 31 मई), स्थान - आर्य समाज औरेया

-विवेक आर्य, मो. 09453223470

आर्यवीर क्रांति शिविर

(18 से 28 जून), स्थान - गुरुकुल विश्वविद्यालय, वृंदावन, मथुरा।

-पंकज आर्य, मो. 09758763878

आर्य वीर दल (राजस्थान) प्रशिक्षण शिविर

सार्वदेशिक आर्य वीरदल राजस्थान प्रांत एवं महर्षि दयानंद सरस्वती की उत्तराधिकारिणी सभा परोपकारिणी अजमेर के संयुक्त तत्त्वावधान में आवासीय योग व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण शिविर 17 से 24 मई 2015 को ऋषि उद्यान, अजमेर में आयोजित किया जा रहा है।

भव देव शास्त्री, मो. 9001434484 **देवेंद्र शास्त्री, मो. 9352547258**

शहीद-दिवस शताब्दी समारोह सम्पन्न

मा. अमीर चंद, भाई बालमुकुन्द, अवध बिहारी को (8 मई 1915) को दिल्ली जेल में तथा बंसत कुमार विश्वास को (11 मई 1915) को अम्बाला जेल में फांसी दी गई थी। उनके शहीद होने के 100 वर्ष पूरे होने पर, आर्य समाज डी. सी.एम. रेलवे कालोनी द्वारा शहीद शताब्दी दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आर्य जगत के सुप्रसिद्ध विद्वानों एवं वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और शहीदों के सपनों का 'भारत -निर्माण' करने का आह्वान किया। **-चन्द्रमोहन आर्य**

अंधेरे में जो बैठे हैं कुछ नजर उन पर भी डालें

भारत में आर्य समाजों की कई संस्थाओं द्वारा पारितोषिक वितरित किये जाते हैं भारत नेपाल के परिक्रमावासी स्वामी प्रवासानन्द सरस्वती ने 1063 से 2013 तक निरन्तर 50 वर्ष साईकिल, मोटर साईकिल, रेल, बस तथा पैदल या जहां जो भी साधन मिला यात्रा की। अब भी 90 वर्ष की अवस्था में रेल व बस से यात्रा निरन्तर जारी है। स्वामी जी को लोग सलाह देते हैं कि अब यात्रा बन्द करके एक स्थान पर ही स्थापित हो जाएं। आर्यजन स्वामी जी को उपयुक्त स्थान प्रदान करने की कृपया करे।

-मनीष शर्मा, अजमेर

विश्वशांति महायज्ञ एवं संस्कृत, संगीत भजन संध्या

'अध्यात्म पथ(पं.) मासिक पत्रिका एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वशांति महायज्ञ, संस्कृत संगीत भजन संध्या एवं संस्कृत काव्य पाठ का भव्य आयोजन 31 मई 2015, सायं 4 से 7 बजे आर्य समाज मंदिर बी-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली के सभागार में किया जा रहा है।

-आचार्य चन्द्र शेखर शास्त्री

डॉ. श्रीमती विमल महता को मिला 'भारत-विभूषण' सम्मान पुरस्कार

महर्षि दयानन्द शिक्षण संस्थान फरीदाबाद की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती विमल महता, प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाज सेवी को 'भारत-विभूषण' सम्मान पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार ग्लोबल एचीवर फांउडेशन द्वारा उनके अतुलनीय कार्यो के लिए है, जो दिनांक 30 मई, 2015 को देहरादून (उत्तराखंड) में दिया जाएगा। डॉ. विमल महता जी को यह पुरस्कार दिया जाना संस्था एवं नगर के लिए भी गौरव और सम्मान की बात है।

आर्य वीर दल शिविर 1 जून से 8 जून 2015 तक

आयोजक- दयानन्द मठ, दीनानगर
स्थान- दयानन्द मठ, धण्डरां

दयानंद मठ घण्डरां में आर्य वीर दल का शिविर स्वामी सदानन्द जी की अध्यक्षता में 1 जून से 8 जून 2015 तक विशाल स्तर पर लगाया जा रहा है, दयानन्द मठ, दीनानगर में शिविर का उद्घाटन मुख्यातिथि श्री रघुवीर सैनी (सरपंच ग्राम झन्गी) ओ३म् ध्वजोत्तोलन के साथ करेंगे। तत्पश्चात आर्य वीर दल के विशेष सहयोगी रमेश आर्य एवं मा. रघुवीर सैनी के नेततृव में सभी आर्य वीरों को बसों द्वारा घण्डरां मठ पहुंचाया जायेगा।

आवश्यक समान : खाकी हॉफ पैन्ट, सफेद शर्ट, बनियान, सफेद जूते, लाठी, पैन, नोट बुक, बर्तन, ऋतु अनुकुल बिस्तर।

-प्रबंधक, स्वामी संतोषानन्द जी
मो. 09417220110

वेद-वेदांत सम्मेलन सम्पन्न

वैदिक मिशन मुम्बई द्वारा वेद-वेदान्त सम्मेलन का आयोजन आर्य समाज सान्ताक्रुज मुम्बई में 21-22 मार्च 2015 को किया गया। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए समस्त भारत से लगभग 60 विद्वान पधारे थे, जिनमें स्वामी प्रणवानन्द जी, आचार्य आर्य नरेश जी, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी, डॉ. प्रियंवदा, डॉ. पवित्रा, डॉ. महावीर मीमांसक, आचार्य मोक्षराज, आदि विद्वान् प्रमुख थे। इस सम्मेलन में अतिथि के रूप में आर्य समाज न्यूर्याक के प्रधान श्री चंद्रभान जी, आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के पूर्व मंत्री डॉ. श्री रमेश गुप्ता, आर्य प्रति. निधि सभा मुम्बई के प्रधान श्री मिठाई लाल जी पधारे। कार्यक्रम में श्री कैलाश कर्मठ, श्रीमती कविता आर्या तथा श्री वीरेन्द्र मिश्रा आदि भजनोपदेशकों ने अपने मधुर गीतों से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। इस कार्यक्रम में विद्वानों ने त्रैतवाद की सत्यता को प्रमाणित करने के अनेक प्रमाण प्रस्तुत किए। इसी सत्र में इस मिशन द्वारा प्रकाशित एवं डॉ. सोमदेव द्वारा रचित पुस्तक 'षड्दर्शन परिचय' का विमोचन भी किया गया।

संदीप आर्य, मंत्री-वैदिक मिशन मुम्बई।

शोक समाचार

श्री रमेश सब्बरवाल का निधन

रमेश सब्बरवाल सुपुत्र स्व. नन्यलाल सब्बरवाल का देहांत दिनांक 14.4.2015 को हो गया है। रमेश सब्बर लाल जी महरौली आर्य समाज के पूर्व मंत्री थे। इनका अंतिम संस्कार वैदिक रीति के अनुसार संपन्न हुआ।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य संदेश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारूण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करें। -सम्पादक

साप्ताहिक आर्य सन्देश

11 मई से 17 मई, 2015

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2015-2017

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 14 मई/15 मई, 2015

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0 (सी0) 139/2015-2017

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथिः बुधवार 13 मई, 2015

प्रतिष्ठा में,

नेपाल भूकम्प राहत सेवा सामग्री भेजने हेतु संपर्क करें

दिल्ली एवं अन्य क्षेत्रों के सभी आर्य समाज अपने-अपने समाज में राहत सामग्री इक्कठा करें। यदि कोई आर्य समाज अथवा संस्था राहत सामग्री सीधा नेपाल भेजना चाहे तो वहां के भूकम्प राहत सेवा कार्यालय से सम्पर्क करें।

भूकम्प राहत सेवा कार्यालय में राहत सामग्री दूध पाउडर, नए कपड़े, धोती, तौलिए तथा अन्य जरूरतों के सामान भेजें।

नेपाल केन्द्रीय आर्य समाज, टंक प्रसाद मार्ग, बालेश्वर हाईट्स, काठमाण्डु (नेपाल)

सार्वदेशिक सभा राहत कार्यालय नेपाल नम्बर- 00977-9860481314

(1) श्री कमलकांत आत्रेय 00977-9841677706 (2) श्री माधव प्रसाद 00977-9841303440 (3) श्री तारानाथ मैनाली 00977-9851077613

यदि कोई आर्य समाज अथवा संस्था अपनी राहत सामग्री दिल्ली में ही भेजना चाहते हैं तो दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यालय 15 हनुमान रोड़, कनॉट प्लेस नई दिल्ली-01 पर भेजें।

विशेषः- सभी दान-दाताओं एवं आर्य संस्थाओं से निवेदन है कि दिल्ली सभा को संपर्क करके ही सामान भेजें।

सभा कार्यालय नम्बर 011-23360150 (समय : 12.00 बजे से सायं 8.00 बजे)

ध्यान योग एवं यज्ञ विज्ञान चेतना शिविर

उद्गीथ साधना, राष्ट्र रक्षा स्थली हिमाचल में आचार्य श्री आर्य नरेश जी के सानिध्य में प्रभु शक्ति, देश भक्ति, संस्कारी व्यक्ति, निःशुल्क चेतना शिविर का आयोजन **दिनांक : 02 जून 2015** को होना निश्चित किया गया है।

स्थान : महर्षि दयानन्द मार्ग, ग्राम डोहर, तह. राजगढ़, **विशेष :** 30 मई तक स्थान आरक्षण हेतु आश्रम खाता में 300/- जमा करवायें। शिविरार्थी कापी पैन, कुर्ता-पैजामा, सलवार दुपट्टा लाएं। बिना दुपट्टा व जीन तथा तंग पैजामे में न आएं।

सम्पर्क करें - 94183-21898, 98174-40468

योग-ध्यान, साधना शिविर सम्पन्न

आनन्द (गढ़ी आश्रम) अधमपुर, जम्मू-कश्मीर में पूज्य महात्मा चैतन्यमुनि जी के सानिध्य में 12 से 19 अप्रैल तक निःशुल्क योग ध्यान-साधना शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के विभिन्न प्रांतों से आए शिविरार्थियों ने भाग लिया। क्रियात्मक योगाभ्यास पूज्य महात्मा चैतन्यमुनि द्वारा कराया गया। इस अवसर पर पूज्य महात्मा जी के ब्रह्मत्व में सामवेद पारायण-यज्ञ भी हुआ। आचार्य संदीप आर्य जी ने योगदर्शन का अध्ययन करवाया और साधकों की शंकाओं का समाधान भी किया। आश्रम के प्रधान श्री भारतभूषण आनंद, कार्यकारी प्रधान श्री विजय भगोतरा, महामंत्री श्री यागवेंद्र शर्मा, डॉ. श्रेष्ठा, श्री रमेश नैव और श्रीमती सुदेश आदि अन्य महानुभावों के सहयोग से शिविर बहुत ही सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस शिविर में एक विशेष उपलब्धि यह हुई कि आश्रम के समस्त ट्रस्टियों द्वारा सर्वसम्मति से आश्रम में एक आर्ष गुरुकुल चलाने का निर्णय लिया।

- भारतभूषण आर्य, मो 09419107788

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक धर्मपाल आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए हरि हर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1, टैलीफैक्स : 23360150, 23365959, E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह